GREEN LAWNS HIGH SCHOOL

TERMINAL EXAMINATION -2023 -2024

SUBJECT : HINDI

CLASS : 8 A,B,C | MARKS : 80

TIME : 2 ½ HOURS | DATE : 04/10/23

NOTE : Attempt all the questions from section A.

Attempt any three questions from section B (From question No. 5,6,7,8) and No.9 compulsory.

SECTION - A

प्र.1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : [15]

(i) आलस्य – मनुस्य का सबसे बड़ा शत्रु

(ii) कंप्यूटर : विज्ञान का अद्‌भुत वरदान

(iii) किसी ऐतिहासिक स्थल (historical place) की यात्रा का वर्णन करते हुए उस स्थल के महत्व तथा उसके सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

(iv) "जीवन में अच्छा मित्र मिलना एक अमूल्य निधि है"। कथन को सत्य साबित करते हुए सच्चे मित्र के विषय में अपने विचार लिखिए तथा उसे उदाहरण द्वारा सिद्ध कीजिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना, अथवा कहानी लिखिए । जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्र.2) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : [7]

i) आप किसी वृद्धाश्रम के वृद्धों से उनके अनुभव सुनकर आए हैं। अपने मित्र / सहेली को इस बारे में पत्र लिखिए ।

ii) आपकी कक्षा में एक ही पंखा है जिसकी हवा पूरे कमरे में नहीं पहुँचती। प्रधानाचार्य जी को पत्र लिखकर एक और पंखा लगवाने का अनुरोध कीजिए ।

प्र.3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए - [10]

बहुत पुरानी बात है एक गुरु और एक शिष्य थे। वे दोनों वनारस में रहते थे एक दिन किसी कार्य से उज्जैन जा रहे थे। उज्जैन जाते-जाते उन्हें रास्ते में ही रात हो गई। चारों ओर घना जंगल था और अंधेरी रात थी। इस तरह रात्रि में जंगल में रुकना सुरक्षित नहीं था।

रात होने पर भी दोनों चलते रहे तभी उन्हें एक गाँव दिखा। गुरु और शिष्य दोनों ही गाँव में चले गए। गाँव में उन्हें एक झोपडी दिखलाई दी। गुरु ने शिष्य से कहा कि आज हम इसी झोपड़ी में रुकेंगे। गुरु और शिष्य दोनों झोपड़ी में गए और झोपड़ी का दरवाजा खटखटाया। झोपड़ी से एक गरीब आदमी बाहर आया और गुरुजी उस व्यक्ति से बोले- " हम दोनों बहुत दूर से आ रहे हैं और रात्रि अधिक हो गई है, जंगल में रहना खतरे से खाली नहीं है इसीलिए हम रात्री में यहाँ रुकना चाहते हैं।

वह व्यक्तिगत गरीब अवश्य था किंतु दिल से बहुत नेक इंसान था। उसने सम्मान पूर्वक गुरु और शिष्य को झोपड़ी के अंदर बुलाया और उन्हें स्वादिष्ट भोजन करवाया और रात्री में सोने के लिए विस्तर भी लगा दिए । भोजन करने के पश्चात गुरुजी ने उस गरीब व्यक्ति से पूछा - " तुम्हारा घर तो बहुत छोटा है किंतु तुम दिल के बहुत धनवान हो । तुम्हारी रोजी-रोटी का साधन क्या है। "

उस गरीब व्यक्ति ने गुरु के मुँह से अपनी प्रशंसा के लिए धन्यवाद दिया और बोला- " मेरे पास इस गाँव में सबसे अधिक जमीन है किंतु वह जमीन बंजर है जिस पर किसी भी प्रकार की खेती संभव नहीं है, इसलिए मैंने अपनी रोजी-रोटी पालन के लिए एक भैंस रखी है। उसी भैंस का दूध और घी बेच कर मैं अपनी रोजी-रोटी चलाता हूं।"

उस व्यक्ति की बात गुरु जी को कुछ अजीब सी लगी किंतु वह कुछ नहीं बोले और सोने चले गए। देर रात में गुरु जी उठ गए और अपने शिष्य से चलने के लिए कहा। दोनों गरीब व्यक्ति को बिना बताए घर से निकल गए और जाते-जाते गुरुजी उसकी भैंस को अपने साथ ले गए।

अपने गुरु का यह आचरण शिष्य को अच्छा नहीं लगा और वह बोला - " गुरुजी इस गरीब व्यक्ति के पास रोजी- रोटी का यही एकमात्र साधन है। अगर हम इसे ले गए तो यह व्यक्ति अपनी रोजी रोटी कैसे चलाएगा। "

अपने शिष्य की ऐसी बातें सुनकर गुरुजी मंद-मंद मुस्कुराए और शिष्य से बोले - " आज से ठीक 10 वर्ष पश्चात तुम इसी स्थान पर आना और इस व्यक्ति से फिर से मुलाकात करना। " भोर होने के पहले ही गुरु और शिष्य भैस लेकर उस गाँव से बाहर निकल गए।

धीरे-धीरे कई वर्ष बीत गए। दस वर्ष बीतने के पश्चात चेले को गुरु जी की बात याद आई कि उसे फिर से गरीब व्यक्ति के घर जाना है। शिष्य फिर से उसी गाँव गया। गाँव जाते ही उसने देखा कि जिस स्थान पर झोपड़ी थी ठीक उसी स्थान पर एक आलीशान मकान बना हुआ है। यह देख कर उसे बड़ा आश्चर्य हुआ।

शिष्य मकान मालिक से मिलना चाहता था । जैसे ही शिष्य मकान के पास गया उसने उसी गरीब व्यक्ति को देखा किंतु इस बार गरीब व्यक्ति बहुत अच्छे कपड़े पहने हुआ था और देखने में बहुत ही संपन्न प्रतीत हो रहा था। शिष्य उस व्यक्ति के पास पहुँचा और बोला - " क्या आपने मुझे पहचाना ? मैं वही बालक हूँ जो आज से 10 वर्ष पहले रात्रि हो जाने के कारण अपने गुरु जी के साथ आपके घर रुका था।"\

वह व्यक्ति झट से शिष्य की बातें सुनकर उसे पहचान गया और बोला - " हाँ ! हाँ ! मुझे बहुत अच्छे से याद है। उस रात्रि अगर आप लोग मेरी झोपड़ी में नहीं आए होते तो शायद आज भी मैं उसी दरिद्रता में जी रहा होता। उस रात आपके जाने के बाद मेरी भैंस भी कहीं चली गई थी और मेरे रोजी-

रोटी के लाले पड़ गए थे। मैंने अपनी बंजर जमीन पर मेहनत की और अथक परिश्रम के पश्चात उस जमीन को उपजाऊ बना लिया और अब उस बंजर जमीन पर मेरी हरी भरी फसलें लहरा रही है। इसी जमीन की बदौलत मैं आज इस गॉव का सबसे संपन्न किसान बन गया हूँ।"

शिष्य को अब समझ में आया कि गुरु जी उस रात उस व्यक्ति की भैंस क्यों ले गए। शिष्य के मन में अब अपने गुरु के लिए पहले से भी कई गुना अधिक सम्मान था।

शिक्षा– गुरु और शिष्य की इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि गुरु द्वारा लिए गए निर्णय देखने में भले ही कठोर लगे किन्तु वो लोगों की भलाई के लिए ही उठाये जाते हैं |

(i) गुरु और शिष्य कहाँ रहते थे और कहाँ जा रहे थे? वो दोनों गाँव में क्यों गए?

(ii) गरीब इंसान ने दोनों के साथ कैसा व्यवहार किया और वह अपना गुजर बसर किस प्रकार करता था?

(iii) रात को उठकर गुरुजी ने क्या किया? इस विषय में उन्होंने अपने चेले को क्या समझाया?

(iv) दस वर्ष बाद शिष्य ने क्या देखा? मकान मालिक ने अपने बारे में क्या समझाया?

(v) इस कहानी से आपने क्या सीखा? समझाइए।

प्र.4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए –

(I)'दयालु' का विलोम बताइए :

(a) निर्दे (b) निर्दय (c) निरदय (d) नीरदय [1]

(ii) 'कोष' का पर्यायवाची बताइए :

(a) निधि – भाय (b) दंभ – घमंड (c)भंडार – खजाना (d) मति – मनीषा [1]

(iii) 'प्रभु' का भाववाचक संज्ञा बताइए :

(a) प्रभुता (b) प्रभूतव (c) प्रभूत (d) प्रभुत्व [1]

(iv) 'ज्योति' का विशेषण बताइए :

(a)ज्योतिमय (b) ज्योतिर्मय (c) ज्योतिरम्य (d) ज्योतिरमी [1]

(v) 'कलेजा ठंडा होना' मुहावरे का अर्थ बताइए : [1]

(a) संतोष प्राप्त होना (b) मर जाना

(c) कलेजा अशांत होना (d) वश में करना

(vi) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए : [1]
बच्चा पौधा लगा रहा है। (वचन बदलिए)

(a) बच्चे पौधे लगा रहा है।

(b) बच्चे पौधे लगा रहे है।

(c) बच्चे पौधा लगा रहे हैं।

(d) बच्चे पौधे लगा रहे हैं।

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :

प्लेग में बहुत से लोग मर गए। (वाक्य शुद्ध कीजिए) [1]

(a) प्लेग में बहुत सारे लोग मर गए।
(b) प्लेग में बहुत सारे से लोग मर गए।
(c) प्लेग की वजह से बहुत सारे लोग मर गए।
(d) प्लेग से बहुत लोग मर गए।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :

<u>अतिथि का सत्कार</u> अच्छे से करना चाहिए। (रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए) [1]

(a) अतिथ्य अच्छे से करना चाहिए।
(b) आतिथिय अच्छे से करना चाहिए।
(c) आतिथि को अच्छे से देखना चाहिए।
(d) आतिथ्य अच्छे से करना चाहिए।

SECTION – B

प्र. 5) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अभी थकी नहीं हूँ दादा! आपने जोड़ लिया ? कुल कितने रुपए खर्च हुए।"

(i) वक्ता कौन है ? उसका चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
(ii) सजनसिंह ने वक्ता की मदद क्यों और कैसे की ? [2]
(iii)"अभी थकी नहीं हूँ से" क्या तात्पर्य है ?सजनसिंह जैसे लोग समाज में क्यों जरुरी हैं ? [3]
(iv) इस कहानी का उद्देश्य लिखिए। [3]

प्र. 6) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"अब मुझे सिर दर्द बिलकुल नहीं है "।

(i) सोमवार की सुबह स्वामीनाथन को कैसा लग रहा था ? [2]
(ii) विद्यालय में घुसते समय स्वामी को क्या विचार आया जो समस्या का हल हो सकता था ? [2]
(iii) मास्टर जी के खिलाफ मुकदमा के लिए स्वामी ने क्या – क्या किया ? [3]
(iv) क्या झूठ बोलकर किसी काम को करने से बचा जा सकता है? स्वामीनाथन का उदाहरण देकर समझाइए।[3]

प्र. 7) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

है खटकता एक सबकी आँख में ,
दूसरा है सोहता सुर सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे ,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

(i) फूल और काँटे किसके प्रतीक हैं और क्यों ? [2]

(ii) अर्थ लिखिए :

सोहता , सीस , कुल , बड़प्पन [2]

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। [3]

(iv) फूल और काँटे में से हमारा आदर्श कौन होना चाहिए और क्यों? कविता के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। [3]

प्र. 8) निम्नलिखित **पद्यांश** को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है ,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा, यमुना त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही है ,
जगमग छटा निराली, पग – पग छहर रही है।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्णभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि किसके विषय में बात कर रहे हैं ? समझाइए। [2]

(ii) अर्थ लिखिए :

नित, चरण, त्रिवेणी, निराली [2]

(iii) पुण्यभूमि तथा स्वर्णभूमि शब्दों का आशय समझाते हुए बताइए कि यहाँ पर कवि ने इन शब्दों का प्रयोग किस संदर्भ में किया है। [3]

(iv) इस कविता के द्वारा कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ? समझाइए। [3]

प्र. 9) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) गंगा ने शांतनु को देवव्रत की किन – किन विशेषताओं से परिचय कराया ? [2]

(ii) सत्यवती और शांतनु के कितने पुत्र थे ? उनकी पत्नियों के नाम भी लिखिए। [2]

(iii) शांतनु के सामने गंगा ने क्या शर्त रखी ? आठवें पुत्र के समय शांतनु ने क्या कहा ? [3]

(iv) केवट राज की क्या शर्त थी ? देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा ? [3]